मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 15 जनवरी 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	16/01/19	17/01/19	18/01/19	19/01/19	20/01/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	23	25	25	26	27
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	7	8	8	10	11
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	5	0	1	6
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	45	50	60	65	70
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	15	20	24	25	30
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	5	7	8	8	9
हवा की दिशा	उत्तर–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	दक्षिण	दक्षिण

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
गेहूं	बालियां आना शुरू	गेहूं की फसल में बालियां आना शुरू होने पर बुवाई के 70 दिन बाद सिंचाई करें।
ईसबगोल	बालियां निकलने	ईसबगोल की फसल को पत्ती धब्बा रोग से बचाने के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी मे घोल बनाकर छिड़काव करें।
जीरा		शुष्क मौसम को देखते हुए जीरे की फसल में 15–20 दिन के अन्तराल पर सिंचाई करें।
सौफ		सौफ की फसल में सिंचाई करें तथा फसल में छाछया रोग के के लक्षण दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु कैराथेन एल.सी. 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकें।
बैंगन	नर्सरी में बुवाई	बैंगन की ग्रीष्मकालीन फसल के लिए नर्सरी तैयार करें। आजाद बी–1, बी.आर–112, पूसा भैरव, पूसा अनुपम, पूसा हाइब्रिड–5, पंजाब बहार उन्नत किस्मों की बुवाई करें। एक हैक्टेयर खेत में रोपाई के लिए 350–500 ग्राम बीज प्रयाप्त है। नर्सरी में बुवाई से पूर्व 2 ग्राम केप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें।
पशु		पशुओं को शीत लहर के प्रकोप से बचाने के लिए रात के समय उन्हे छप्पर के नीचे बांधें।

(नौडल ऑफीसर)